TITLE CODE : UPMUL00792

राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक

लोक पहल

शाहजहाँपुर, मंगलवार 07 मार्च 2023 | शाहजहाँपुर से प्रकाशित | वर्ष :2, अंक :03 पृष्ठ :8, मूल्य 2 रुपये

संक्षेप

उमेश पाल हत्याकांड में आरोपी उस्मान एनकाउंटर में ढेर

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में हुए उमेश पाल हत्याकांड में पुलिस लगातार कार्रवाई कर रही है। इस हत्याकांड में एक और आरोपी का एनकाउंटर हुआ है और उसकी मृत्यु हो गई है। जिस व्यक्ति ने उमेश पाल को पहली गोली मारी थी, उसका एनकाउंटर हुआ है।

हत्याकांड में आरोपी उस्मान चौधरी की प्रयागराज पुलिस के साथ कौंधियारा इलाके में मुठभेड़ हो गई। इस मुठभेड़ में उस्मान चौधरी घायल हो गया। घायल अवस्था में उसे प्रयागराज के एसआरएन अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसकी मौत हो गई। पुलिस इस हत्याकांड में एक और एनकाउंटर कर चुकी है। ये इस मामले में दूसरा एनकाउंटर है।

हैदराबाद में फिल्म की शूटिंग के दौरान अमिताभ बच्चन हुए घायल

नई दिल्ली एजेंसी। बॉलीवुड के महानायक अभिनेता हैदराबाद में फिल्म 'प्रोजेक्ट ए' की शुटिंग कर रहे थे। इसी दौरान वह गंभीर रुप से घायल हो गए। एक एक्शन सीन के दौरान उनकी पसलियों में चोट आई है।

हादसे के बाद फिल्म की शूटिंग रोक दी गई। अभिनेता हैदाराबाद में उपचार के बाद मुंबई अपने घर लौट चुके हैं। उन्होंने अपने ब्लॉग पर इस बात की जानकारी दी।

अमिताभ बच्चन ने अपने ब्लॉग में लिखा कि 'हैदराबाद में टप्रोजेक्ट केट की शूटिंग के दौरान एक्शन सीन शूट किया जा रहा था। पसली की कार्टिलेज टूट गई है और दाईं पसली केज की मांसपेशी में भी चोट आई है। शूटिंग को रद्द कर दिया गया है। पट्टी बांधी गई है और इलाज किया जा रहा है।

इलेक्ट्रिक वाहन खरीदने पर टैक्स और रजिस्ट्रेशन में मिलेगी छूट: सीएम

होली से पहले सीएम योगी का बड़ा तोहफा

लोक पहल

लखनऊ। इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देने के लिए उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने बड़ा फैसला किया है। राज्य सरकार ने तीन साल के लिए इलेक्ट्रिक वाहन की खरीद पर रोड टैक्स और रजिस्ट्रेशन फीस हटाने का फैसला लिया है। सरकार के अनुसार, इन तीन साल की गणना 14 अक्टूबर, 2022 से की जाएगी। वहीं, अगर कोई शख्स राज्य में ही निर्मित इलेक्ट्रिक वाहनों को खरीदता है तो उसे तीन की जगह पांच साल की छूट मिलेगी।

सरकार की ओर से उत्तर प्रदेश के सभी जिलों के आरटीओ को तत्काल प्रभाव से निर्देशों का पालन सुनिश्चित करने के आदेश दिए गए हैं। प्रमुख सचिव एल वेंकटेश्वरलू की ओर से जारी संशोधित अधिसूचना के अनुसार, "उत्तर प्रदेश इलेक्ट्रिक वाहन निर्माण और गतिशीलता नीति 2022 के अनुसार 14 अक्टूबर से उत्तर प्रदेश में बेचे गए और रजिस्टर्ड किए गए इलेक्ट्रिक वाहनों पर 100 प्रतिशत टैक्स छूट दी जाएगी। यह छूट 2022 से 13 अक्टूबर, 2025 तक होगी।"

इसके अलावा 14 अक्टूबर, 2022 को अधिसूचित इलेक्ट्रिक वाहन नीति के चौथे और पांचवें वर्ष में यानी 14 अक्टूबर, 2025 से 13 अक्टूबर, 2027 तक राज्य में रजिस्टर्ड और बेचे गए ईवीएस पर 100 प्रतिशत की छूट दी जाएगी। वाहन नीति में इलेक्ट्रिक वाहनों के अर्थ के संबंध में भी स्पष्टीकरण दिया गया है। इसके अनुसार, EV इलेक्ट्रिक मोटर्स का उपयोग करने वाले वो ऑटोमोबाइल होते हैं जो बैटरी, अल्ट्राकैपेसिटर या ईंधन सेल द्वारा संचालित होते हैं। इनमें सभी दोपहिया, तिपहिया और चौपहिया वाहन, स्ट्रॉन्ग हाइब्रिड इलेक्ट्रिक व्हीकल, प्लग–इन हाइब्रिड इलेक्ट्रिक व्हीकल, बैटरी इलेक्ट्रिक व्हीकल और फ्यूल सेल इलेक्ट्रिक व्हीकल शामिल हैं।

राज्य की इलेक्ट्रिक वाहन नीति के अनुसार यूपी में खरीदे जाने वाले इलेक्ट्रिक वाहनों के फैक्टरी रेट पर 15 प्रतिशत की सब्सिडी भी दी जाएगी। इसमें पहले दो लाख इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों के लिए 5,000 रुपये प्रति वाहन, पहले 50,000 इलेक्ट्रिक तिपहिया वाहनों के लिए अधिकतम 12,000 रुपये और पहले 25,000 चौपहिया इलेक्ट्रिक वाहन के लिए प्रति एक लाख रुपये तक की सब्सिडी दी जाएगी। वहीं, राज्य में खरीदी जाने वाली पहली 400 बसों पर प्रति ई–बस 20 लाख रुपये तक की सब्सिडी दी जाएगी।

'ज्यादा हाय तौबा ना करें नहीं तो किसी भी वक्त पलट सकती है गाड़ी: जेपीएस राठौर

लोक पहल

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार में मंत्री जेपीएस राठौर ने कानपुर के विकास दुबे कांड की तरफ इशारा कर उमेश हत्याकांड के आरोपियों का भी एनकाउंटर होने का संकेत दिए। अपराधियों को चेतावनी देते हुए उन्होंने कहा कि अगर पकड़े जाएं तो ज्यादा हाय तौबा ना करें नहीं तो गाड़ी पलट भी सकती है। मंत्री ने कहा, "माफियाओं के ठिकानों पर पुलिस के द्वारा दबिश दी जा रही है। इनको पाताल लोक से भी खोज कर लाएंगे। जब ये पकड़े जाएं तो गाड़ी में बैठते समय हाय तोबा न करें, ड्राइवर असंतुलित होकर गाड़ी पलट न जाए।

इसके साथ ही जेपीएस राठौर ने कहा कि योगी सरकार में कानून व्यवस्था पटरी पर है। बसपा और सपा सरकार के अपराधियों पर योगी सरकार कार्रवाई कर रही है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री जी ने सदन में ही कहा था कि जिसने भी अपराध किया उसे मिट्टी में मिला देंगे। इसकी शुरुआत भी हो चुकी है।

मंत्री राठौर ने कहा कि राज्य में किसी भी तरह के अपराध और अपराधियों को योगी सरकार में बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रयागराज में क्या हुआ आपने देखा। सभी अपराधी डरे हुए हैं। विपक्ष के आरोपों पर मंत्री ने कहा कि विपक्ष का काम ही आरोप लगाना है। राज्य में हर तरह के अपराधों में कमी देखने को मिल रही है। राठौर ने आगे कहा कि इस घटना में जो भी दोषी पाया जाएगा उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। दोषियों को सख्त से सख्त सजा दी जाएगी।

घृणा और हिंसा की विचारधारा इनकी प्रकृति में है : राहुल गांधी

नई दिल्ली एजेंसी। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने लंदन में एक बार फिर भाजपा और आरएसएस पर जमकर निशाना साधा और कहा कि देश में लोगों की आवाज दबाई जा रही है। उन्होंने कहा कि घृणा और हिंसा इनकी प्रकृति में है।

राहुल गांधी ने कहा कि उनकी 'भारत जोड़ो यात्रा' ने पूरे देश को दिखाया की असल भारत क्या है। उन्होंने कहा, "भारत के मूल्य क्या हैं? हमारा धर्म हमें क्या सिखाता है? हमारी अलग–अलग भाषाएं क्या कहती हैं? हमारी अलग–अलग संस्कृतियां हमें बताती हैं कि हम अलग–अलग विचारों वाला एक राष्ट्र हैं। हम में बिना किसी घृणा, क्रोध और अपमान के सौहार्दपूर्ण तरीके से एकसाथ रहने की क्षमता है और जब हम ऐसा करते हैं, तभी हम सफल हैं। यात्रा का यही संदेश था।"

उन्होंने कहा, "दूसरी ओर, घृणा और हिंसा की विचारधारा है, ऐसी अपमानजनक विचारधारा है जो दूसरों पर उनके विचारों के कारण हमले करती है और आपने महसूस किया होगा कि यह भाजपा और आरएसएस (राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ) की प्रकृति में है।"

इसके साथ ही राहुल गांधी ने यह भी कहा कि कांग्रेस के पास विपक्षी दलों को साथ लाने के लिए एक अच्छा आइडिया है, लेकिन वे अभी इसके बारे में बताकर सरप्राइज को खराब नहीं करना चाहते हैं। इस दौरान उन्होंने कहा कि वह अपनी आलोचनाओं से नहीं डरते हैं और यह 'साहस तथा कायरता और प्रेम तथा घृणा' के बीच की लड़ाई है। राहुल गांधी ने कहा, "जितना वह मेरे ऊपर हमला करेंगे, मेरे लिए उतना अच्छा होगा, क्योंकि मैं (उन्हें) उतना बेहतर समझ पाऊंगा३ यह साहस और कायरता के बीच की लड़ाई है। यह सम्मान और अपमान के बीच की लड़ाई है। यह लड़ाई प्रेम और घृणा के बीच है।"

समस्त पाठकों, विज्ञापनदाताओं, सहयोगियों व शुभचिन्तकों को 'लोक पहल' परिवार की ओर से रंगों के पर्व होली की हार्दिक शुभकामनाएं और बधाई...

कर्म ही सबसे बड़ी पूजा जो करें उसे ब्रह्म को समर्पित करें: आरिफ मोहम्मद खान

एस एस ला कालेज के दीक्षांत समारोह में केरल के राज्यपाल ने किया टापर्स को सम्मानित

लोक पहल

शाहजहांपुर। एसएस लॉ कॉलेज में दीक्षांत समारोह का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने छात्र–छात्राओं को उपाधि प्रदान कीं। इस मौके पर उन्होंने कहा कि कितना ही पढ़–लिख लें, अगर आप में करुणा का भाव नहीं है तो सब व्यर्थ है समारोह का शुभारंभ मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया गया। केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने कहा कि केवल सिद्धांतों को जान लेना काफी नहीं है। उनके अनुसार आचरण करने पर ही यह माना जा सकता है कि कुछ सीख मिली है। कर्म ही सबसे बड़ी पूजा है। जो करें, उसे ब्रह्म को समर्पित कर दें, यही हमारी परंपरा है। शिक्षा से ही सुंदर जीवन प्राप्त किया जा सकता है, लेकिन आप बहुत पढ़े लिखे हैं और करुणा का भाव नहीं है तो सब बेकार है,मुख्य वक्ता राममनोहर लोहिया राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय लखनऊ के पूर्व कुलपति प्रो. बलराज सिंह चौहान ने विधि की उपाधि और मेडल प्राप्त करने वाले छात्र–छात्राओं को बधाई और शुभकामनाएं दीं। समारोह के अध्यक्ष एमजेपी रुहेलखंड विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केपी सिंह ने कहा कि एमजेपी रुहेलखंड विश्वविद्यालय के सर्वश्रेष्ठ महाविद्यालयों में एसएस कॉलेज और एसएस लॉ कॉलेज भी शामिल है। उन्होंने आश्रम के अधिष्ठाता चिन्मयानंद सरस्वती के प्रयासों की सराहना करते हुए उनका आभार जताया। उन्होंने विधि के छात्रों को सिर्फ वकालत नहीं, दूसरे सेक्टर में भी जाकर काम करने के लिए प्रेरित किया। इससे पहले समारोह में प्राचार्य प्रो. जेएस ओझा ने तीन वर्षों की शैक्षणिक प्रगति की आख्या प्रस्तुत करते हुए बताया कि औसत परिणाम 93 प्रतिशत रहा एसएस लॉ कॉलेज से वर्ष 2020, 2021 और 2022 की विधि स्नातक और स्नातकोत्तर परीक्षाओं में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाले छात्र–छात्राओं को स्वर्ण पदक, प्रमाण पत्र प्रदान किया ,समारोह में राज्यपाल ने एसएस लॉ कॉलेज के प्राचार्य डॉ. जेएस ओझा द्वारा सम्पादित पुस्तक रोल ऑफ पुलिस इन क्रिमिनल जस्टिस सिस्टम, एसएस कॉलेज के प्रोफेसर अनुराग अग्रवाल और एमजेपी रुहेलखंड विश्वविद्यालय की प्रोफेसर तूलिका सक्सेना द्वारा संयुक्त रूप से संपादित पुस्तक वोकल फॉर लोकल, रसायन विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ. कुमार सिंह संपादित पुस्तक फ्यूचर साइंस फॉर सस्टेनबल डेवलपमेंट तथा संस्था द्वारा संरक्षित साप्ताहिक अखबार लोकपहल के दीक्षांत विशेषांक का विमोचन किया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीक्षांत पंडाल में अकादमिक शोभा यात्रा के आगमन से हुआ। शोभा यात्रा का नेतृत्व एमजेपी रुहेलखंड विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. आलोक राजीव कुमार ने किया एसएसएमवी के सचिव अशोक अग्रवाल ने कार्यक्रम के मुख्य अतिथि को पुष्प गुच्छ, अंगवस्त्र एव स्मृति चिन्ह भेंटकर सम्मानित किया,इस मौके पर प्रमुख रूप से एमजेपी रुहेलखंड विश्वविद्यालय के विधि संकायाध्यक्ष प्रो. अमित सिंह, कुलसचिव डॉ. राजीव कुमार, परीक्षा नियंत्रक संजीव कुमार सिंह, भारतीय विधिज्ञ परिषद नई दिल्ली के सह अध्यक्ष श्रीनाथ त्रिपाठी, बार काउंसिल उप्र के सदस्य व उच्च न्यायालय के वरिष्ठ अधिवक्ता अमरेंद्र नाथ सिंह, राज्य विधिज्ञ परिषद उप्र के सदस्य देवेंद्र सिंह, एसएस कॉलेज के प्राचार्य प्रो. आरके आजाद, उप प्राचार्य डॉ. अनुराग अग्रवाल, डीएम उमेश प्रताप सिंह, एसपी एस. आनंद, सीडीओ एसबी सिंह, सुयश सिन्हाआदि मौजूद रहे।

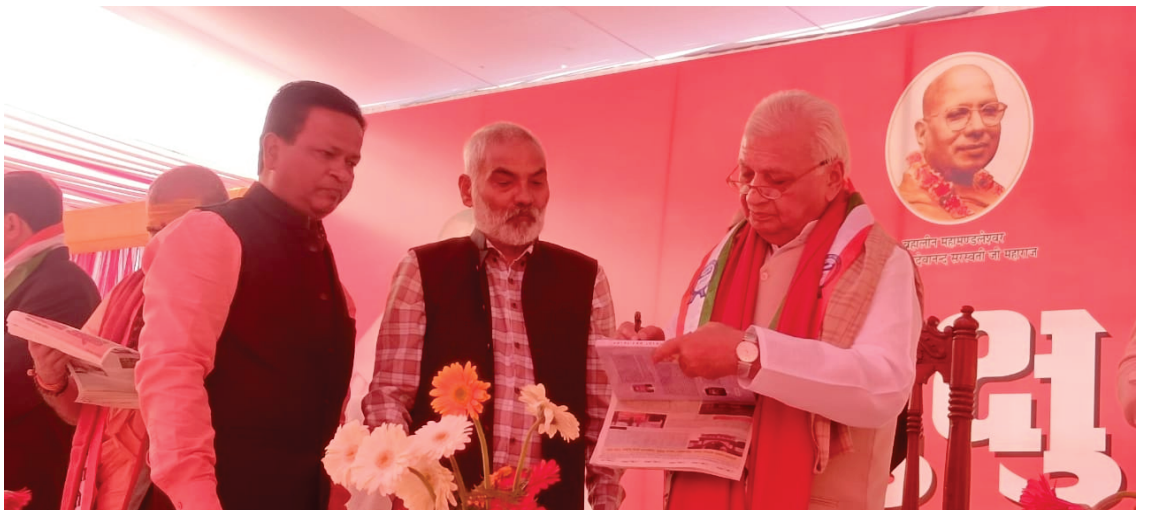

जन औषधि दिवस पर निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

सांसद ने फीता काटकर किया शुभारंभ

लोक पहल

शाहजहांपुर। प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि परियोजना के 5वें जन औषधि दिवस पर किशोर फार्मा एंड सर्जिकल ने निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन गोपाल गौशाला मिश्रीपुर में किया। मुख्य अतिथि सांसद अरुण कुमार सागर ने शिविर का शुभारंभ फीता काटकर किया और खुद का स्वास्थ्य परीक्षण भी कराया।

इस दौरान सांसद अरूण कुमार सागर ने बताया कि जन औषधि के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए प्रत्येक वर्ष जन औषधि दिवस मनाया जाता है। प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि परियोजना की शुरूआत आम आदमी विशेषकर गरीबों को सस्ती कीमतों पर गुणवत्तापूर्ण जेनेरिक दवाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से की गई थी। प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि केंद्र अब देश में ही नहीं बल्कि विदेश में भी काफी लोकप्रिय हो रहा है। पूरी दुनिया का विश्वास अब भारतीय जनऔषधि में पहले से काफी अधिक बढ़ गया है। जेनेरिक दवाएं गुणवत्ता के लिहाज से बेहतरीन और असरदार होती हैं। साथ ही सस्ती और अच्छी भी है। कहा कि प्रधानमंत्री जन औषधि केंद्र पर जो जेनरिक दवाएं मिलती हैं, वो मार्केट में उपलब्ध ब्रांडेड दवाइयों से काफी सस्ती होती हैं। पीएम मोदी की इस योजना से अब लोग दवाओं में होने वाले खर्चों से बचत करके अपनी दूसरी जरूरतों को भी पूरा कर पा रहे हैं। कहा कि मोदी सरकार लोगों की जेब का धन बचाकर उन्हें फायदा पहुंचाने का काम कर रहे हैं। औषधि केन्द्र संचालक आकांक्षा सक्सेना, अवनीश किशोर, डा. विकास टण्डन, डा. राजीव शर्मा, डा. सुमन रस्तोगी, रामचंद्र सिंघल आदि मौजूद रहे।

जेपी पब्लिक स्कूल में धूमधाम से मनाया होली पर्व

लोक पहल

शाहजहांपुर। ग्राम पंचायत भटपुरा रसूलपुर स्थित जेपी पब्लिक स्कूल में सभी बच्चों ने अपनी टीचरों के साथ मिलकर धूमधाम से होली का पर्व मनाया ,सभी ने एक दूसरे के गुलाल लगाते हुए होली के पर्व की शुभकामनाएं दी । स्कूल के प्रबंधक अनिल कुमार गुप्ता ने सभी बच्चों को पर्व की बधाई देते हुए भक्त प्रहलाद की कहानी सुनाई ,और बताया कि सत्य की सदैव ही जीत होती है ,जो धर्म के साथ चलता है धर्म उसकी सदैव रक्षा करता है। इस मौके पर कमेटी की कोषाध्यक्ष बबिता गुप्ता, स्कूल की प्रधानाचार्य हिना खान, अध्यापिका श्रेया त्रिवेदी ,लक्ष्मी गुप्ता ,मंजू , देवीना गुप्ता ,संध्या पांडे, प्रभा ,तृप्ति गुप्ता ,रीना खान, अंजली यादव ,शाहीन ,सवाजमीर ,साहीन खान, मीनू गुप्ता ,अमिस कुमारी ,सायमा खान, किरन, रुबीना, फिजा नाज, सुनीता, प्रिया गौतम ,दीक्षा शर्मा ,रूशदा सिद्दीकी, ज्योति तिवारी ,अदीबा ,शीतल तिवारी, रश्मि गुप्ता, रीना खुशी ,दीक्षित आदि सभी उपस्थित रहीं ।

रेखा शाह आरबी
बलिया

गधों का होली मिलन समारोह

हास्य व्यंग

जंगल में गधों का होली मिलन समारोह आयोजित किया गया था। सबको पूर्व सूचना दे दी गई थी कि 'रंग अबीर अपने साथ अपने घर से ही लाना है' गधे थे इसलिए जो हो जाए तो कम ही है.. खैर रंग अबीर लाने पर ही होली मिलन समारोह में एंट्री मिलने की संभावना थी' वरना कृपया ना आए 'ऐसा भी ऑप्शन रखा गया था । गधों का समारोह था इसलिए इतनी इज्जत और तहजीब मान मर्यादा रखी गई थी इंसानों का होता तो इतनी भी उम्मीद रखना बेकार था। सभी देशों के गधे काफी उत्साहित थे। होली मिलन समारोह का हिस्सा बनने के लिए सब अपने–अपने क्षमता अनुसार वेशभूषा आभूषण धारण करके रंग रंगीले बांके छैल छबीले सजीले गधे बनकर आने वाले थे ऐसी पूरी संभावना थी।

होली मिलन समारोह के दिन सबसे पहले समारोह स्थल पर अमेरिकी गधे ऊंचा सुर लगाते हुए आए। अपने आप को सबसे ज्यादा सुपरमैन समझने की आत्ममुग्धता उन पर पूरी तरह हावी थी। उनके आने के कुछ ही देर बाद रसिया वाले गधे भी खूब शोर मचाते हुए आए अमेरिकी गधों को देखते हुए... लगे मुंह बिचकाने ..ऐसा लगा मानो कहीं यहां पर भी किसी नए शीत युद्ध का आगाज ना हो जाए। इसीलिए दोनों को कुछ दूरी पर कुर्सियां दे दी गई। चाइनीज गधे अपनी छोटी छोटी आंखें मिचमिचाते हुए और पूरे समारोह स्थल का निरीक्षण करते हुए आए। उनका तो वही हाल है' राम राम जपना.. पराया माल अपना' वैसे तत्कालिक बात व्यवहार को देखते हुए रसिया के बगल में उसे कुर्सी दे दी गई! चाइनीस गधे रसिया के बगल से ही बैठकर अमेरिकी रसिया के शीत मनमुटाव का अवलोकन करने लगे और अपने लिए गुंजाइश भी खोजने लगे । तभी यूक्रेनी गधे भी गिरते पड़ते आए सीधे जाकर अमेरिका की गोद में आकर बैठ गए यूक्रेनी गधे सच में पूरी तरह गधे ही थे.. जो अच्छे भले देश को कबाड़ बनवा लिया ..अरे जब गोद में ही बैठना है तो क्या रसिया क्या अमेरिका .. कम से कम घर तो बचा रहता।

तभी समारोह स्थल के मेन गेट पर हो हल्ला आवाज सुनाई देने लगी सभी लपक कर उधर गए तो देखा पाकिस्तानी गधे थे उन्होंने रंग अबीर के साथ–साथ हाथ में कटोरा भी पकड़ हुआ था। जिसके चलते उन्हें सुरक्षाकर्मी अंदर प्रवेश नहीं करने दे रहे थे। सुरक्षाकर्मियों के मना करने पर पाकिस्तानी गधों ने दो टूक कह दिया.... देख लो भाई मैं तो कटोरा लेकर ही अंदर जाऊंगा क्या पता कुछ इमदाद मिल जाए सभी गधे एक जगह इकट्ठे हैं सबके देश जाने का किराया खर्च पानी नहीं है मेरे पास... इसलिए मैं ऐसा स्वर्णिम अवसर चूक नहीं सकता।

चाइनीस गधों ने पाकिस्तानी गधों को देखते ही मुंह घुमा लिया उन्हें डर था कहीं वह कुछ उनसे ही न मांग बैठे सबसे आश्चर्य की बात थी इसमें भारतीय प्रतिनिधि नदारद थे.. दुनिया भर में सबसे आगे रहने वाले इस अवसर को क्यों चूक रहे हैं.. सब के सब जानना चाहते थे जब मीडिया कर्मी उनसे पूछने गए कि आप इस समारोह का हिस्सा क्यों नहीं है... तो प्रतिनिधि मोदी जी के चिर परिचित अंदाज में मुस्कुराते हुए हाथ जोड़ लिए.. जिसे मीडिया वालों ने समझा और प्रतिनिधि ने समझा.. बाकी सब बगले झांकते रहे।

आध्यात्मिक चिंतन का समय

सूर्यदीप कुशवाहा
वाराणसी

व्यापक उपभोगवादी संस्कृति तथा भोग–विलास से पोषित भौतिकवाद ने हमारी आध्यात्मिक चेतना पर पर्दा डाल दिया है। धन–अर्जन, सत्ता तथा प्रसिद्धि की लालसा और सुखवादी जीवन–प्रणाली आज जीवन का परम लक्ष्य बनता जा रहा है।

सभी धर्मों में लालच को महापाप कहा गया है। परन्तु, आज लालच ही मुख्य प्रेरणा–द्वार है। केवल सम्पत्ति–प्रभुत्व वाले पूंजीवाद की ही नहीं, अपितु तथाकथित समाजवाद की भी चिन्तन धारा लालच की चपेट में है अर्थात् अधिक खाद्य, पेय, कामुकता, सम्पत्ति, सत्ता तथा प्रसिद्धि का पोषण करती है।लेकिन मनुष्य इस पर भी संतुष्ट नहीं है। उसका सामूहिक लालच हमारी इस सुन्दर धरती के दुर्लभ तथा अपूरणीय संसाधनों को लूट रहा है तथा समस्त मानव–जाति को पर्यावरणीय विनाश के कगार की ओर ले जा रहा है। सभी धर्म, धर्माचार्य, संत तथा ऋषि–मुनि आध्यात्मिक मूल्यों को सर्वोच्च महत्व देते हैं। हिन्दू धर्म के आध्यात्मिक मूल्यों का अनुक्रम है–धर्म, अर्थ, काम तथा मोक्ष । अर्थ तथा काम सांसारिक मूल्य है, जबकि धर्म तथा मोक्ष आध्यात्मिक मूल्य हैं। परन्तु धर्म का स्थान सर्वप्रथम है। यह अर्थ तथा काम दोनों का प्रेरक तथा शासक है। निस्संदेह मोक्ष, जिसका अर्थ है सभी सांसारिक इच्छाओं तथा आसक्तियों से मुक्ति, सर्वोच्च मूल्य है। आध्यात्मिक तथा सांसारिक मूल्यों के सर्वोच्च संतुलन से एक ऐसा सामंजस्य स्थापित होता है जिससे जीवन अर्थपूर्ण तथा जीने योग्य बनता है। जीवन के आध्यात्मिक दृष्टिकोण के अनुसार सात्विक जीवन सर्वाधिक ऊंचा आदर्श है। भागवत गीता के अनुसार सतत्व प्रदीप्ति है, राजस मनोवेग है तथा तमस अज्ञान।

आधुनिक युग के आगमन से ही आध्यात्मिक मूल्यों का लोप होना आरम्भ हुआ । इस युग का प्रमुख लक्षण है–मानव व्यवहार की लौकिकता, व्यवहार कौशल, बुद्धि सम्पन्नता तथा प्रत्यक्षवाद । जिस बात की जांच, नापतोल अथवा गिनती न हो सके, वह कभी भी आधुनिक पाश्चात्य मानव के जीवन का भाग नहीं बनी। अतः डा० आर.जी. लेंग के अनुसार "सौंदर्य बोध तथा नैतिक संवेदनाएं, गुणवत्ता, अनुभूतियां, आत्मा, चेतना, अन्तःकरण" जैसे लक्षण लुप्त हो गए।

धर्म का उचित रूप से आध्यात्मिक अनुसरण करने से व्यक्ति इन कलुषित मानसिकता से मुक्त हो सकता है। अतरू धर्म को एक बाधक के रूप में नहीं, बल्कि एक स्वच्छ माध्यम के रूप में हम सब को अपनाना होगा। अध्यात्मवाद धर्म के उचित पालन करने से ही विस्तृत होगा, इसके दुरुपयोग से नहीं। इसलिए आध्यात्मिक चिंतन आवश्यक है।जब हम भक्तिमय आध्यात्मिक जीवन जीते हैं तो हम भक्तों का संग करते हैं। और सभी भक्त एक दूदूसरे की सहायता करते हैं। और एक–दूसरे को भक्ति में उन्नति करने के लिए उत्साहित करते हैं। इससे हमारे अन्दर निस्वार्थ भाव जन्म लेता है। और हमें मात्र अपना दुख ही नही सभी का दुख नजर आने लगता है। हमारे मन में करूणा उत्पन्न हो जाती है।

भावों के रक्तिम गुलाल

प्रणति ठाकुर, कोलकाता

भावों के रक्तिम गुलाल को मल दूँ तेरे गालों पर

बाल अरुण के प्रथम किरण से चुटकी भर अरुणिमा चुराकर
हृदय कोष के संचित धन से थोड़ी सी मधुरिमा मिलाकर
अपनी स्नेह सुधा का कुमकुम रच दूं तेरे बालों पर
भावों के रक्तिम गुलाल को मल दूँ तेरे गालों पर ।

तुम मिसरी की डली सरीखी ,मीठी–मीठी पर कठोर सी
बाँध रखा है जिसने मुझको ,तुम मनभावन नेह डोर सी
तेरे मुखड़े की अरुणाई छाई सभी गुलालों पर
भावों के रक्तिम गुलाल को मल दूँ तेरे गालों पर ।

भरी दुपहरी की गर्मी में चन्दन लेप सरीखी तुम
दुख से क्लांत हृदय के भीतर चंचल ,शोख नदी सी तुम
तुम मेरी हो ? यह सवाल है ,भारी सभी सवालों पर
भावों के रक्तिम गुलाल को मल दूँ तेरे गालों पर ।

तेरे पायल की रुनझुन से हृदय हमारा बँधा हुआ है
तेरे सुन्दर मीन – नयन से मन का पंछी बिंधा हुआ है
अपनी जादू वाली चाबी ,रख दो सारे तालों पर
भावों के रक्तिम गुलाल को मल दूँ तेरे गालों पर ।

तुम हो मेरे हृदय– क्षेत्र की सतरंगी भावों जैसी
भरा नहीं जा सकता जिनको उन नंगी घावों जैसी
तुम हो सकी नहीं मेरी ,ये मलाल है तारी सभी मलालों पर
भावों के रक्तिम गुलाल को मल दूँ तेरे गालों पर ।
भावों के रक्तिम गुलाल को मल दूँ तेरे गालों पर ।।

होली के रंग

सुर्ख लाली आसमान में छाई
आँख खुली दुनिया मुस्काई
पूरब में सूरज जब छाया
मन में केसरिया लहराया
मन–ही–मन फूले इतराए
इस जगती में सब भरमाए

सरसों से बिछी न्यारी धरती
दुनिया रस–गंध–रूप पर मरती
भौंरे नर्तक कोयल गाती
मन में मधुरस है छलकाती
मदमत्त झूमता मतवाला
आया वसंत पीला–पीला

दिन चढ़े मतवाले मेघ छाए
ओर–छोर काली घटा लहराए
हरखने लगे सब पात–पात
सिहरने लगे हैं सबके गात
उमड़–घुमड़ आए बदरा रे
आसमान हो गए कजरारे

धरती का रूप–रंग बदला
मन मयूर का थिरका मचला
सावन की छाई हरियाली
इंद्रधनुष की छटा निराली
पहनी धरती ने चुनर धानी
हरा रंग सबने पहिचानी

ईश्वर ने रची सतरंगी दुनिया
रंगों के बिना बेरंगी दुनिया
इन रंगों को तुम मत बांटो
अपने पैरों को मत काटो
रंगों का तुम राज जान लो
इनसे है सकल समाज जान लो

मिलते रंग इन्द्रधनुष बनता
इन रंगों से ही मस्ती छाता
रंग हिन्दू है ना मुसलमान
इन रंगों से अपनी पहचान
रंगों से मन को भिंगाओ तुम
एक यही गीत बस गाओ तुम

सूरज की लाली बनी रहे
हरियाली चूनर सजी रहे
काले मेघ लहराते रहें
नीले आसमान पर छाते रहें
केसरिया अपनी आन बने

पीला सबकी पहचान बनें
होली यही सिखाता है
रंगों का कलश गिराता है
सब मतभेद मिटाओ तुम
नेह–प्रेम सरसाओ तुम
ऊब–डूब उतराओ तुम
आंखों में बिछ जाओ तुम...

डा. शिप्रा मिश्रा
चम्पारण, बिहार

सम्पादकीय

बढ़ती भ्रष्टाचार की जड़ें

हर दल का दावा होता है कि सत्ता में आने के बाद वह पूरी व्यवस्था को भ्रष्टाचार मुक्त कर देगा। मगर होता इसके उलट है। हर साल भ्रष्टाचार की दर कुछ बढ़ी हुई ही दर्ज होती है। भारत की गिनती सर्वाधिक भ्रष्टाचार वाले देशों में की जाती है।

ऐसे में यह नई बात नहीं है कि सर्वोच्च न्यायालय ने छत्तीसगढ़ सरकार में मुख्य सचिव रहे एक प्रशासनिक अधिकारी के खिलाफ भ्रष्टाचार के मामले में सुनवाई करते हुए इस प्रवृत्ति को कैंसर बताया। अदालत ने कहा कि यह पूरे समुदाय के लिए शर्म की बात है कि हमारे संविधान निर्माताओं के मन में जो ऊंचे आदर्श थे, उनका पालन करने में लगातार गिरावट आ रही है।

यह बात हर कोई स्वीकार करता है कि भ्रष्टाचार के चलते धन के समान वितरण का संवैधानिक तकाजा कहीं हाशिए पर चला गया है, मगर इस पर अमल कम ही लोग करने को तैयार दिखते हैं। इसलिए हैरानी की बात नहीं कि जिस दिन सर्वोच्च न्यायालय ने अदालतों को यह नसीहत दी कि उन्हें भ्रष्टाचार के मामलों में किसी भी तरह की रियायत नहीं बरतनी चाहिए, उसी दिन कर्नाटक और झारखंड में रिश्वत से जमा की गई भारी रकम पकड़ी गई। हमारे देश में अब यह सर्वस्वीकृत तथ्य है कि बिना रिश्वत के कोई काम नहीं हो सकता। विकास परियोजनाओं में ठेकेदारी पानी हो, सरकारी नौकरी पानी हो, यहां तक कि तहसील–तालुका से अपनी जमीन–जायदाद के कागजात हासिल करने हों, तो बिना रिश्वत के काम नहीं चल सकता। बहुत सारे सरकारी विभागों में तो अलग–अलग काम के लिए बकायदा दरें निर्धारित हैं। हर ठेके में ऊपर से लेकर नीचे तक के अधिकारियों–मंत्रियों आदि के कमीशन तय होते हैं। विचित्र तो यह भी है कि बहुत सारी जगहों पर किसी अधिकारी से मिलाने तक के लिए चपरासी पैसे मांग लेता है। इस तरह सरकारी महकमों में भ्रष्टाचार खुल्लम खुल्ला चलता है। यह कोई छिपी बात नहीं है। एक सामान्य आदमी भी किसी मामूली सरकारी कर्मचारी के ठाठ–बाट से अंदाजा लगा सकता है कि उसकी 'ऊपरी' कमाई कितनी होती होगी।

हालांकि केंद्र और राज्य सरकारों ने बहुत सारे कामों में पारदर्शिता लाने के मकसद से खिड़कियों पर कतार लगाने और अधिकारियों के चक्कर काटने की परंपरा खत्म करके इंटरनेट के जरिए काम कराने की व्यवस्था कर दी है। पर हकीकत यही है कि इसके बावजूद भ्रष्टाचार का आंकड़ा लगातार बढ़ रहा है। भ्रष्टाचार की जड़ें सबको पता हैं। हर मंत्री और अधिकारी उन्हें पहचानता है, मगर दिक्कत यह है कि भ्रष्टाचार मिटाने का संकल्प सिर्फ नारों तक सिमट कर रह गया है। उसके लिए कोई राजनीतिक इच्छाशक्ति नहीं दिखाई देती। जब खुद मंत्री और उनके सचिव इस खेल में शामिल पाए जाते हैं, तो भ्रष्टाचार को मिटाने की उम्मीद भला किससे की जाए। एक बार चुनाव जीतने के बाद जनप्रतिनिधियों की संपत्ति में कई सौ गुना की वृद्धि देखी जाती है।

अंतरिक्ष अभियानों हेतु घातक है 'स्पेस जंक'

शिशिर शुक्ला

वर्तमान समय में बढ़ते ट्रैफिक की समस्या दिन प्रतिदिन गंभीर एवं चिंताजनक होती जा रही है। खास बात तो यह है कि बढ़ते ट्रैफिक की समस्या ने पृथ्वी के साथ–साथ अंतरिक्ष में भी अपने पांव पसार लिए हैं। यद्यपि यह अलग बात है कि पृथ्वी एवं अंतरिक्ष में ट्रैफिक जाम के स्वरूप एक दूसरे से सर्वथा भिन्न हैं। यदि सामान्य रूप से बात की जाए तो ट्रैफिक जाम का सीधा सा अर्थ है– एक सीमा से अधिक संख्या में वाहनों की उपस्थिति के कारण यातायात का बाधित होना। इस समस्या को हम लगभग प्रतिदिन देखते और झेलते हैं। अंतरिक्ष में उत्पन्न हुई ट्रैफिक जाम की समस्या के पीछे भी यही अवधारणा है। अंतरिक्ष में विभिन्न प्राकृतिक पिण्डों एवं मानव निर्मित उपग्रहों के अवशेष अथवा उनमें प्रयुक्त इलेक्ट्रॉनिक उपकरण जोकि वर्तमान में निष्क्रिय हो चुके हैं, एक बहुत बड़ी मात्रा में मौजूद हैं। ये सभी लोअर अर्थ आर्बिट में लगातार तीव्र गति से घूमते रहते हैं। ऐसी स्थिति में यदि किसी मिशन के तहत कोई उपग्रह प्रक्षेपित किया जाता है और वह दुर्भाग्यवश इन मलबों के टुकड़ों से टकरा जाता है तो उपग्रह के साथ–साथ पूरे मिशन को क्षति पहुंचने का खतरा रहता है।

हाल ही में वियना में संयुक्त राष्ट्र की एक उपसमिति की बैठक हुई जिसमें इस ज्वलंत समस्या के समाधान से संबंधित दिशानिर्देशों का प्रारूप तैयार किया गया। वस्तुतः ज्यों ज्यों तकनीकी ने प्रगति के उच्चोच्च शिखरों को स्पर्श करना प्रारंभ किया, त्यों त्यों मानव ने विभिन्न क्षेत्रों में अपना हस्तक्षेप भी बढ़ाना प्रारंभ कर दिया। अंतरिक्ष में मानव का दखल करीब 7 दशक पूर्व हुआ जब सोवियत संघ द्वारा 4 अक्टूबर 1957 को पृथ्वी का पहला कृत्रिम उपग्रह 'स्पूतनिक–1' लांच किया गया था। 21 दिनों में इसने दो रेडियो ट्रांसमीटरों के द्वारा पृथ्वी को एक ध्वनि संकेत भेजा और 57 दिनों के बाद यह पृथ्वी के वायुमंडल में प्रवेश करते समय नष्ट हो गया था। भारत के द्वारा इस दिशा में पहल 1975 में अपने उपग्रह 'आर्यभट्ट' के प्रक्षेपण के द्वारा की गई। उपग्रह वे पिंड हैं जो किसी ग्रह के चारों ओर परिक्रमा करते हैं। पृथ्वी का प्राकृतिक उपग्रह चंद्रमा है। शनैःशनैः विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी ने मानव को इतना समर्थ बना दिया कि उसने स्वनिर्मित निकायों को विभिन्न व्यवस्थाओं से लैस करके पृथ्वी के परितरू एक निश्चित कक्षा में परिक्रमण हेतु प्रक्षेपित करना प्रारंभ कर दिया। इन निकायों को ही कृत्रिम उपग्रह कहा गया। मानव द्वारा शुरू किए गए अंतरिक्ष अभियान को धीरे–धीरे सात दशक बीत रहे हैं। इन सात दशकों में हजारों की संख्या में कृत्रिम उपग्रह पृथ्वी के परितरू परिक्रमण हेतु भेजे जा चुके हैं। ये मानवनिर्मित निकाय हमारे लिए बेहद उपयोगी एवं लाभप्रद होते हैं क्योंकि इनके द्वारा सूचना, संचार, प्रसारण, मौसम पूर्वानुमान, पृथ्वी की जानकारी, अंतरिक्ष के विविध रहस्यों का उद्घाटन, वायुमंडल का अध्ययन, रक्षा तकनीकी इत्यादि के क्षेत्र में अतुलनीय योगदान किया जाता है। किंतु इन निकायों की एक निश्चित अवधि होती है, उस अवधि को पूरा करने के उपरांत ये निष्क्रिय हो जाते हैं। निष्क्रिय होने के बाद ये पृथ्वी के परितरू अपनी ही कक्षा में तीव्र गति से घूमते रहते हैं। जब कभी ये परस्पर टकराते हैं तो टूट–फूट के कारण मलबे एवं कचरे की मात्रा बढ़ जाती है। मृत स्पेसक्राफ्ट, रॉकेट, उपग्रहों के अवशेष, निष्क्रिय इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के अवशेषों के साथ–साथ कुछ प्राकृतिक पिण्डों जैसे– उल्का, क्षुद्रग्रह इत्यादि के अवशेष मिलकर 'अंतरिक्ष कचरे' अथवा 'स्पेस जंक' की रचना करते हैं। ऐसा हजारों टन कचरा पृथ्वी के परितः घूम रहा है।

आज विश्व के विभिन्न देशों में अंतरिक्ष में उपग्रह भेजने की होड़ लगी हुई है जिसके आधार पर यह निश्चित रूप से कहा जा सकता है कि अंतरिक्ष का मलबा दिन प्रतिदिन बढ़ता ही जाएगा। इस कचरे की जीवित उपग्रहों से टकराने की संभावना हमेशा बनी रहती है जिस कारण नवीन मिशन के असफल होने का खतरा लगातार बना रहता है। खगोलविदों के अनुसार दूरबीन के मार्ग में कचरा आ जाने से ग्रहों तथा नक्षत्रों के अध्ययन में बाधा उत्पन्न होती है। हजारों किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से घूमता यह कचरा वायुमंडल, संचार व्यवस्था, उपग्रह सेवाओं इत्यादि के लिए घातक है। निश्चित रूप से इसके समाधान हेतु ठोस कदम उठाए जाने की आवश्यकता है। अंतरिक्ष में प्रक्षेपित निकायों के साथ ऐसी व्यवस्था की जानी चाहिए ताकि अपना उद्देश्य पूर्ण करने के उपरांत वे स्वतः नष्ट हो सकें। अंतरिक्ष में चुंबकीय व्यवस्था से युक्त कुछ ऐसी मशीनें भेजी जानी चाहिए जोकि कचरे को आकर्षित करके अपने साथ पृथ्वी पर ला सकें। 'अंतर–ऐजेंसी अंतरिक्ष मलबा समन्वय समिति' एवं संयुक्त राष्ट्र द्वारा स्थापित 'बाह्य अंतरिक्ष के शांतिपूर्ण उपयोग पर समिति' के द्वारा अंतरिक्ष मलबे को कम करने के प्रयासों को समन्वित करने की दिशा में कार्य किया जा रहा है। यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी के द्वारा इस दिशा में 'क्लीन स्पेस' पहल शुरू की गई है। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन के द्वारा अंतरिक्ष मलबे की प्रभावी निगरानी एवं ट्रैकिंग हेतु राडार एवं प्रकाशीय दूरदर्शी का उपयोग करते हुए 'नेत्रा' परियोजना शुरू की गई है जोकि एक चेतावनी सिस्टम की भूमिका का निर्वहन करेगी। बहरहाल यदि अंतरिक्ष के इस मलबे का कोई ठोस निस्तारण न किया गया, तो भविष्य में अंतरिक्ष कार्यक्रमों की सफलता का बाधित होने की संभावना तय है।

मानव अंगों की बढ़ती जरूरत

रामनिवास गुप्ता

भारत में अंगों की अनुपलब्धता के कारण हर साल पांच लाख लोगों की मौत हो जाती है। इसके मुकाबले साल 2022 में पंद्रह हजार अंगों का प्रत्यारोपण ही हो पाया है। लोगों की जान बचाने के लिए जरूरत और उपलब्धता के बीच की इस खाई को पाटना जरूरी है। इसके दो ही उपाय हैं। पहला, अंगदान के लिए लोगों को जागरूक किया जाए और दूसरा, स्तंभ कोशिकाओं यानी स्टेम सेल के जरिए अंगों का उत्पादन बढ़ाया जाए। अंग प्रत्यारोपण की प्रक्रिया को सरल और सुलभ बनाने के लिए भारत सरकार 'एक राष्ट्र–एक नीति' लागू करने जा रही है। अब अंगदान और उसका प्रत्यारोपण देश के किसी भी अस्पताल में कराया जा सकता है। भारत सरकार ने मूल निवासी प्रमाणपत्र की बाध्यता को हटाते हुए आयु सीमा की बाध्यता भी खत्म कर दी है। अंग प्राप्त करने के लिए अब जरूरतमंद रोगी किसी भी राज्य में पंजीकरण करा सकते हैं।

पंजीकरण के लिए अब मरीजों से कोई शुल्क भी नहीं लिया जाएगा। मालूम हो कि तेलंगाना, महाराष्ट्र, गुजरात और केरल जैसे राज्य अंगदान के पंजीकरण के बहाने पांच हजार से दस हजार रुपए के बीच शुल्क ले रहे थे। बीते दस सालों में अंग प्रत्यारोपण की मांग बढ़ी है, लेकिन उपलब्धता कम है। हालांकि 2022 में पंद्रह हजार से ज्यादा अंगों का प्रत्यारोपण हुआ है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक, अंग प्रत्यारोपण में सालाना सत्ताईस फीसद की दर से वृद्धि हो रही है। लिहाजा मांग के अनुपात में पूर्ति नहीं हो पा रही है। इसके मद्देनजर अब स्तंभ कोशिकाओं के जरिए अंगों का उत्पादन बढ़ाने की जरूरत है।

मानव त्वचा की महज एक स्तंभ कोशिका (स्टेम सेल) को विकसित कर कई तरह के रोगों के उपचार की संभावनाएं उजागर हो गई हैं। स्तंभ कोशिका मानव शरीर के क्षय हो चुके अंग पर प्रत्यारोपित करने से अंग विकसित होने लगता है। करीब दस लाख स्तंभ कोशिकाओं का एक समूह सुई की एक नोक के बराबर होता है। ऐसी चमत्कारी उपलब्धियों के बावजूद समूचा चिकित्सा समुदाय इस प्रणाली को रामबाण नहीं मानता। शारीरिक अंगों के प्राकृतिक रूप से क्षरण या दुर्घटना में नष्ट होने के बाद जैविक प्रक्रिया से सुधार लाने की प्रणाली में अभी और सुधार की जरूरत है। इधर, वंशानुगत रोगों को दूर करने के लिए स्त्री की गर्भनाल से प्राप्त स्तंभ कोशिकाओं का भी दवा के रूप में इस्तेमाल शुरू हुआ है। इसके लिए गर्भनाल रक्त बैंक भी भारत समेत दुनिया में वजूद में आते जा रहे हैं। इसमें प्रसव के तत्काल बाद गर्भनाल काटने के बाद अगर इससे प्राप्त स्तंभ कोशिकाओं का सरंक्षण कर लिया जाए तो इनसे परिवार के सदस्यों का दो दशक बाद भी उपचार संभव है।

गर्भनाल से निकले रक्त को शीत अवस्था में इक्कीस साल तक सुरक्षित रखा जा सकता है। लेकिन इस बैंक में रखने का शुल्क कम से कम एक–डेढ़ लाख रुपए है। ऐसे में यह उम्मीद नहीं की जा सकती कि गरीब लोग इन बैंकों का इस्तेमाल कर पाएंगे? सरकारी स्तर पर अभी इन बैंकों को खोले जाने का सिलसिला शुरू ही नहीं हुआ है। निजी अस्पतालों में इन बैंकों की शुरुआत हो गई है और पचहत्तर से ज्यादा बैंक कोशिकाओं के संरक्षण में लगे हैं। इस पद्धति से जिगर, गुर्दा, हृदय रोग, मधुमेह, कुष्ठ और स्नायु जैसे वंशानुगत रोगों का इलाज संभव है।

इनके संग्रह के लिए चिकित्सा विशेषज्ञ की भी जरूरत नहीं होती। महिलाएं माहवारी के समय एक किट में रक्त को एकत्रित करके किट बैंक में जमा करा सकती हैं। भारत में गर्भाशय का प्रत्यारोपण भी शुरू हो गया है। पुणे में एक महिला ने अपनी मां के गर्भाशय का प्रत्यारोपण कराकर बच्ची को जन्म दिया है। रियो डि जेनेरियो में तो एक मृत महिला के गर्भाशय के प्रत्यारोपण से बत्तीस वर्षीय एक महिला ने स्वस्थ बच्ची को जन्म दिया है। महिलाओं की इस विलक्षणता को विज्ञान की दुनिया में चमत्कार माना जा रहा है।

लेकिन स्तंभ कोशिकाओं से उपचार की ये प्रणालियां अभी शैशव अवस्था में हैं। उपचार भी महंगा है। इस कारण जिगर और गुर्दे की बीमारियों में प्रत्यारोपण की सबसे ज्यादा मांग है। इसकी आपूर्ति के लिए सरकार की कोशिश है कि दिमागी तौर पर मृत लोगों से अंग प्राप्त किए जाएं। यह प्रत्यारोपण के लिए अंगों की आपूर्ति का सबसे अच्छा माध्यम है जिसे लोगों में जागरूकता पैदा करके पूरा किया जा सकता है। देश में हर साल पचास हजार लोग हृदय प्रत्यारोपण के इंतजार में रहते हैं। इनमें से महज दस–पंद्रह लोगों का ही हृदय प्रत्यारोपण हो पाता है। देश में अंग प्रत्यारोपण के जरूरतमंद लोगों की संख्या लगातार बढ़ रही है। लेकिन अंगदाता उस अनुपात में नहीं मिल रहे हैं।

अहमदाबाद के प्रतिष्ठित गुर्दा अस्पताल के अंगदान से जुड़े एक अध्ययन में महिलाओं के प्रति लैंगिक असमानता का खुलासा हुआ है। महिलाएं अंग प्रत्यारोपण में पुरुषों से बहुत आगे हैं, लेकिन जब उन्हें अंगों की जरूरत पड़ती है तो नहीं मिल पाते। 'द ट्रांसप्लांट सोसाइटी' की अट्ठाइसवीं अंतरराष्ट्रीय कांग्रेस में पेश आंकड़ों से साफ हुआ है कि पुरुषों को गुर्दा दान करने में नब्बे फीसद उनकी पत्नियां होती हैं। अंगदान में महिलाओं का फीसद उनहत्तर है, जबकि पुरुषों का सिर्फ पच्चीस।

वहीं 74.2 फीसद महिलाएं परिजनों को अंगदान करती हैं, लेकिन उन्हें महज 21.8 फीसद अंग दान में मिल पाते हैं। सत्तर प्रतिशत माताएं बच्चों को अंगदान करती हैं, जबकि तीस फीसद पिता ऐसा करते हैं। पचहत्तर फीसद दादी पोते–पोतियों के लिए अंगदान करती हैं, जबकि दादा पच्चीस फीसद ही करते हैं। यानी लैंगिक भेद यहां भी बरकरार हैं। हालांकि बीते दस सालों में अंग प्रत्यारोपण की संख्या बढ़ी है। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार अंग प्रत्यारोपण की कुल संख्या 2013 में 4,990 से बढ़कर 2022 में 15,561 हो गई है। लेकिन साफ है कि अंग प्रत्यारोपण की जरूरत की पूर्ति अंगों के उत्पादन से ही संभव हो पाएगी। लिहाजा, इस जैव तकनीक को बढ़ावा देने की आवश्यकता है।

भारतीय संस्कृति की झलक दिखाई दी एसएसएमवी वार्षिकोत्सव में

अतिथियों ने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण कर किया शुभारंभ

लोक पहल

शाहजहांपुर। मुमुक्षु आश्रम में चल रहे मुमुक्षु महोत्सव में श्री शंकर मुमुक्षु विद्यापीठ स्कूल का 34 वां स्थापना दिवस धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एमआईटी मुरादाबाद के चेयरमैन अरविंद गोयल, विशिष्ट अतिथि महामंडलेश्वर स्वामी चिदंबरानंद सरस्वती एवं अध्यक्ष महामंडलेश्वर स्वामी हरिहरानंद सरस्वती ने कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के चित्र के समक्ष माल्यार्पण तथा दीप प्रज्वलन कर किया,इस दौरान सानिध्य मुमुक्षु शिक्षा संकुल के अधिष्ठाता स्वामी चिन्मयानंद सरस्वती का रहा। छात्राओं ने सचिव अशोक अग्रवाल, प्रधानाचार्या डॉ संध्या तथा अन्य सभी विशिष्ट अतिथियों का चंदन तिलक व पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया सचिव अशोक अग्रवाल ने स्वागत भाषण प्रस्तुत किया। समारोह में विद्यालय के नर्सरी कक्षा के नन्हे–मुन्ने बच्चों से लेकर सीनियर विंग के छात्र–छात्राओं द्वारा विभिन्न रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किये। जिसमें देश के विभिन्न प्रांतों की सांस्कृतिक झलक विभिन्न लोकगीतों व लोकनृत्यों के माध्यम से दिखाई गई। सांस्कृतिक कार्यक्रमों का शुभारंभ मां सरस्वती की वंदना के साथ हुआ। सांस्कृतिक कार्यक्रम की श्रृंखला में नर्सरी के

नन्हे–मुन्ने बच्चों ने माता–पिता को याद करते हुए मनमोहक प्रस्तुति दी। बच्चों द्वारा बस्ते के जी के बोझ की उपयोगिता को दिखाते हुए नृत्य प्रस्तुत किया गया। तत्पश्चात छात्र–छात्राओं द्वारा कर चले हम फिदा जानो तन साथियों किया । देश के अलग–अलग राज्यों की भी कुछ झलकियां नृत्य के माध्यम से दिखाई गई, नुक्कड़ नाटक 'स्याह साइबर की नीली आंखें', भगवान कृष्ण की बाल लीलाओं की मनमोहक झांकियां ,कालबेलिया नृत्य अंग्रेजी नाटक An unpaid servant the mother] कव्वाली ,लोकगीत 'नाटकआखिरी सलाम' योग्यनाट्यम की प्रस्तुति प्रभावशाली रहीं।

कार्यक्रम के मध्य में मुख्य अतिथि द्वारा पिछले सत्र 2021–22 में कक्षा 12 के सर्वश्रेष्ठ छात्र प्रणव शुक्ला एवम कक्षा 10 के सर्वश्रेष्ठ छात्र (क्पेजतपबज ज्वचचमत) यश गुप्ता, बेस्ट एथलीट कक्षा 12 के छात्र सचिनदीप सिंह, सांस्कृतिक कार्यक्रमों में सर्वश्रेष्ठ प्रस्तुति के लिए छात्रा में शगुन रस्तोगी, पाठ्यक्रम सहगामी क्रियाओं विद्यालय के चैयरमैन स्वामी चिन्मयानंद सरस्वती ने आशीर्वचन देकर छात्र छात्राओं का उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम में अंतिम प्रस्तुति के रूप में विद्यालय की छात्राओं ने होली का फाग नृत्य प्रस्तुत कर सभी का मन मोह लिया। अंत में प्रधानाचार्या डॉ संध्या ने सभी आगंतुकों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन कक्षा 11 की छात्रा वसुंधरा व संस्कृति ने किया। कार्यक्रम के आयोजन में विद्यालय के समस्त स्टाफ का योगदान रहा।

आल्हा और कविसम्मेलन से हुआ मुमुक्षु महोत्सव का समापन

लोक पहल

शाहजहांपुर। मुमुक्षु महोत्सव की समापन संध्या पर वीर रस से ओत प्रोत आल्हा और कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। लोक गायन हेतु मुख्य मंत्री योगी आदित्य नाथ से पुरुस्कृत दूरदर्शन और आकाशवाणी की युवा कलाकार शीलू सिंह राजपूत ने चंदेली कवि द्वारा लिखित आल्हा को योद्धा के हावभाव में प्रस्तुत करके दर्शकों का दिल जीत लिया। आल्हा के बाद अखिल भारतीय कवि सम्मेलन आयोजित किया गया। देश के विभिन्न स्थानों से पधारे विभिन्न विधाओं के कवियों ने अपनी रचनाओं से श्रोताओं की तालियां बटोरीं। कार्यक्रम का संचालन कर रहे अनपरा, सोनभद्र से पधारे राष्ट्रवादी कवि कमलेश राजहंस ने कहा– **'इस मुल्क की तबाही कितना करोगे और क्या है तुम्हारे दिल में बता क्यों नहीं देते, जम्हूरियत की लाश को कंधे पे उठाकर, गांधी की समाधि पे चढ़ा क्यों नहीं देते'**

उज्जैन के गीत सम्राट कैलाश 'तरल' ने निम्न पंक्तियों के माध्यम से श्रोताओं का दिल जीता–**'ये देश राम का राम की धरती, मंदिर क्यों ना हो राम का, एक है दिल लो यह सच मानो, दिल की धड़कन दूजा है, राम लला को गांव–गांव में, मुस्लिम तक ने पूजा है, झूठा आरोप लगा मत देना, कहीं किसी के नाम का, यह देश राम का राम की धरती, मंदिर क्यों ना हो राम का'।**

कानपुर के व्यंग्यकार डॉ सुरेश अवस्थी ने अपने प्रभावशाली व्यंग्यों के माध्यम से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध किया। उन्होंने कहा–**'हमको बनावटी लोगों के व्यवहार अच्छे नहीं लगते, ईमान बिक गए जहां वह बाजार अच्छे नहीं लगते, यूं तो दुनिया की चकाचौंध सबको लुभाती है, लेकिन घर में बुजुर्ग ना हों तो त्यौहार अच्छे नहीं लगते'।**

कोटा, राजस्थान से पधारे देवेंद्र वैष्णव ने अपनी हास्य रचनाओं के माध्यम से श्रोताओं को जी भरकर हंसाया। उन्होंने कहा–**'टीवी पर चल रहा था आधे कपड़ों में गाना, बेटे ने कहा दूसरा चौनल तो लगाना, राजू तू सो जा बेटे यह गरीब लड़की है, ज्यादा गरीब आए पापा मुझको जगाना'।**

कार्यक्रम के अध्यक्ष जौनपुर के व्यंग्यकार कवि सभाजीत द्विवेदी 'प्रखर' ने अपने अनेक व्यंग्यों के माध्यम से श्रोताओं का दिल जीता। उन्होंने कहा–**'शीश आदर्श का बोझ लादे हुए, पांव गन्तव्य की ओर बढ़ता रहा, मैं जहां से चला था वहीं रह गया, जबकि अविराम वर्षों से चलता रहा'।**

वाराणसी की श्रृंगार गीत की कवयित्री विभा शुक्ला ने अपनी रचना प्रस्तुत करते हुए कहा–**'चाहती हूं कि दिल में बिठा लूं तुम्हें, पास आओ गले से लगा लूं तुम्हें, होकर दीवानी तेरी बनूं राधिका, तुम कहो तो मैं मोहन बना लूं तुम्हें।**

अमेठी से पधारी गीत व गजल की कवयित्री संदल अफरोज ने कहा–**'मैं जब घर से निकलती हूं वफाएं साथ रहती हैं, गमों की धूप में तेरी घटाएं साथ रहती हैं, जमाने की हवाओं से कभी संदल नहीं डरती, हिफाजत के लिए मां की दुआएं साथ रहती हैं'।**

शाहजहांपुर के स्थानीय कवि एवं गीतकार डॉ इंदु अजनबी ने कहा– **'बहुत कठिन है मगर इतना काम कर देना, तपती इस दोपहर को मधुर शाम कर देना, मैं उसमें प्रेम के स्वर पोर पोर भर दूंगा, बांसुरी तुम हो इसे मेरे नाम कर देना।**

कवि एवं गीतकार तथा कार्यक्रम के संयोजक डॉ शिशिर शुक्ला ने कहा–**'तकती राहें करें प्रतीक्षा आंखों को समझाना है, बहुत दूर अब गया है बेटा वापस लौट न आना है, कर नमन तुम्हें और शीश झुका देखो भगवान भी रोया है, भारत की रक्षा की खातिर तुमने कितना कुछ खोया है'।**

कार्यक्रम के अंत में प्रमिला मित्तल ने आल्हा गायक शीलू सिंह राजपूत का सम्मान अंगवस्त्र प्रदान कर किया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ आर के आजाद एवं उप प्राचार्य डॉ अनुराग अग्रवाल ने कवियों को माल्यार्पण कर एवं अंग वस्त्र भेंट कर सम्मानित किया। कार्यक्रम में बिट्टल माहेश्वरी, अशोक अग्रवाल, रामचंद्र सिंघल, सुरेश सिंघल, प्रमोद प्रमिल, ईशपालसिंह, जयशंकर ओझा, फिरोज हसन खान, अरविन्द सिंह, डा के के शुक्ला, डॉ अमीर सिंह यादव, डॉ आलोक कुमार सिंह, डॉ कमलेश बाबू गौतम, रामनिवास गुप्ता, डा बरखा सक्सेना, डॉ कविता भटनागर, डॉ प्रतिभा सक्सेना आदि उपस्थित रहे।

बॉडी बिल्डिंग में अकमल खान चैम्पियन बने

अमरोहा के जुबैर रहे मिस्टर यूपी

लोक पहल

शाहजहाँपुर। ईस्टर्न उप्र फिटनेस बॉडी बिल्डिंग एसोसिएशन (सम्बद्ध यूपी बीबीए एवं आईएफबीएफ) के तत्वावधान में एक शाम भारत के अमर शहीदों के नाम ईस्टर्न यूपी इंटर स्टेट चौम्पियनशिप एंड मिस्टर शाहजहांपुर प्रतियोगिता सम्पन्न हुई। शनिवार देर रात तक प्रतियोगिता के परिणाम घोषित किए गए। शहंशाह मैरिज लान, बिजलीपुरा में आयोजित प्रतियोगिता में अमरोहा, बरेली, रामपुर, मुरादाबाद, मेरठ, बदायू, पीलीभीत, सीतापुर, हरदोई, शाहजहांपुर आदि जनपदों के 100 से अधिक प्रतियोगियों ने शरीर सौष्ठव का प्रदर्शन किया। आयोजक राफे खां ने बताया कि बॉडी बिल्डिंग शो के निर्णायक मंडल के अल्ताफ अहमद अमरोहा, डॉ. नजमुन्नबी मेरठ, विपिन बाबा बरेली आदि वरिष्ठ बॉडी बिल्डरों ने परिणाम घोषित किए। जिला स्तरीय मैन फिजिक बॉडी बिल्डिंग में 25 प्रतियोगियों को पछाड़ते हुए रिजवान प्रथम रहे। मिस्टर शाहजहांपुर बॉडी बिल्डिंग में अकमल खान चौंपियन बने। जबकि रिजवान रनर अप और कैफी रनर अप सेकंड रहे। मिस्टर यूपी में दस जिलों के 80 प्रतियोगियों ने भाग लिया। अमरोहा के जुबैर अहमद ने मिस्टर यूपी का खिताब जीता। मेरठ के मुकीम दूसरे और शाहजहांपुर के अकमल खान तीसरे नंबर पर रहे। विजेताओं को शहीद अशफाक उल्ला खां के प्रपौत्र अशफाक उल्ला खां, विनय अग्रवाल, डॉ शहजेब खां, राफे खान, असलम आदि ने विजेता ट्रॉफी और प्रशस्ति पत्र प्रदान किए। आयोजन में जुनैद हफीज, कासिम अली, अमीनुज्जमा, नईम, गुड्डे, शेखर, रंजीत आदि का योगदान रहा।

अंतर्राष्ट्रीय वैश्य फेडरेशन महिला इकाई द्वारा होली महोत्सव का आयोजन

लोक पहल

शाहजहांपुर। अंतर्राष्ट्रीय वैश्य फेडरेशन महिला इकाई द्वारा होली का रंगारंग महोत्सव जिलाध्यक्ष निशा गुप्ता के निवास पर धूमधाम से मनाया गया। जिसमें सभी महिलाओं ने राधा कृष्ण संग फूलों की होली खेली, डांस और बहुत सारे गेम खेले। महिलाओं ने कैटवॉक कर मनोरंजन किया। जिला अध्यक्ष निशा गुप्ता ने अपने नवनियुक्त पदाधिकारियों को अपने अपने कार्यों को पूरी लगन और निष्ठा के साथ करने का आग्रह किया। इस दौरान जिलाध्यक्ष ने कहा हमारे संगठन उद्देश्य सभी बिखरे हुए वैश्यों को एक माला में पिरोकर समाज को संगठित कर एक मंच पर लाना है। जिला कार्यकारिणी अध्यक्ष रुचि गुप्ता ने बताया कि होली प्रेम और सौहार्द का पर्व है। हमें इसे पूरे उमंग और उत्साह के साथ मनाना चाहिए। जिला महामंत्री कविता गुप्ता ने बताया कि केमिकल वाले रंगों का बहिष्कार कर स्वदेशी यानि नेचुरल और ऑर्गेनिक कलर का इस्तेमाल करना चाहिए। हम सभी को टेशू के फूलों से होली खेलने चाहिए जो कि त्वचा संबंधी रोगों से भी हमारी रक्षा करता है। हमें होली इस तरह से खेलना चाहिए किसी की भावना आहत ना हो, हमे होली के पर्व की गरिमा को बचाने की कोशिश करनी चाहिए। कार्यक्रम में बबिता अराधना, रूचि गुप्ता, रेखा गुप्ता, अर्चना अग्रवाल, रिचा गुप्ता, मोना, साक्षी, अंशू, नीलम, करूणा, रीता रानी, डिम्पल, मोना गुप्ता, ज्योति गुप्ता, गीता, रामेश्वरी, श्वेता, पूनम, सीमा, ज्योति, किरन, आशा गुप्ता, रेनू, रेखा, सुनीता, रोली, गीता, मोनिका, मंजुरानी शिल्पी, महिमा, प्रियंका गुप्ता, बबिता गुप्ता, अंशू गुप्ता, स्वाति गुप्ता, उमा गुप्ता, मीनाक्षी, अलका गुप्ता, सहित सैकड़ों महिलाएं उपस्थित रही।

मातृ मंडल सेवा भारती ने कल्याणकारी योजनाओं को लेकर गया जागरूक

लोक पहल

शाहजहांपुर। मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं के संबंध में जनपद शाहजहांपुर में मातृ मंडल सेवा भारती के तत्वाधान में लगभग दो दर्जन महिला कार्यकर्ताओं ने बाय–बाग दीवान तालाब हरिजन कॉलोनी मैं महिलाओं को मुख्यमंत्री द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं के बारे में जागरूक किया महिला कल्याण अधिकारी अनीता दीक्षित ने बताया महिलाओं बच्चियों एवं किशोरियों को अभी तक मुख्यमंत्री द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं की जानकारी नहीं है इसीलिए महिला पेंशन मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना मुख्यमंत्री मातृ शक्ति योजना मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना राष्ट्रीय वृद्धा पेंशन योजना को बताकर जागरूक किया जा रहा है इसी प्रकार मातृ मंडल सेवा भारती की अध्यक्ष सीमा बाजपेई ने जागरूक करते हुए बताया कि मेरा उद्देश्य है कि सेवा बस्तियों में जाकर कार्य करना और हम सभी महिलाओं को जागरूक करूं मुख्यमंत्री की विभिन्न योजनाओं का प्रचार प्रसार करें अधिकांश महिलाओं को अभी तक मुख्यमंत्री की योजनाओं का पता नहीं है इसीलिए हम उन्हें जागरूक कर रहे हैं। मातृ मंडल सेवा भारती विमुख संरक्षक सोनिया राठौर बताया आज बहुत ही सुनहरा मौका है आज इस स्वर्णिम अवसर के विषय में जानकारी दे रही हूं जिससे इन्हें आत्मनिर्भर बनाया जा सके उन्होंने कहा मुख्यमंत्री द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं के विषय में अभी तक इन्हें जानकारी नहीं थी हमारे जानकारी देने का उद्देश्य विभिन्न योजनाओं का ज्यादा से ज्यादा लोगों तक लाभ पहुंचाया जा सके इस मौके पर अनीता दीक्षित सीमा बाजपेई सोनिया राठौर आदि दर्जनों महिलाएं उपस्थिति थी।

डीएम एसपी ने लाट साहब जुलूस मार्गो का निरीक्षण किया

लोक पहल

शाहजहाँपुर। जिलाधिकारी उमेश प्रताप सिंह ने होली पर निकाले जाने वाले छोटे एवं बड़े लाट साहब के जलूस मार्गो का निरीक्षण किया। उन्होने चौक कोतवाली से चारखम्भा, चारखम्भा से केरूगंज, केरूगंज से अंटा चौराहा होते हुये खिरनीबाग चौराहा, खिरनीबाग से टाउनहाल, टाउनहाल से घंटाघर, घंटाघर से कोतवाली, कोतवाली से गर्रा फाटक तथा गर्रा फाटक से अजीजगंज तक जुलूस मार्ग का निरीक्षण किया तथा मुख्य बिन्दुओं को देखा। साथ ही उन्होंने छोटे लाट साहब के जूलूस मार्ग का भी निरीक्षण किया। उन्होने थाना रामचन्द्र मिशन से सरायकाईयां, सरायकाईयां से दलेलगंज, पुत्तूलाल चौराहा, रेती रोड से हथौड़ चौराहा तक जुलूस के मार्गों पर किये गये बैरिकेडिंग आदि कार्यों का निरीक्षण किया तथा सम्बन्धित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश भी दिये। उन्होंने किये जा रहे सभी कार्यों को समय से पूर्ण करने के निर्देश सम्बन्धित अधिकारियों को दिये। इस दौरान पुलिस अधीक्षक एस आनन्द, अपर जिलाधिकारी प्रशासन संजय पाण्डेय, अपर जिलाधिकारी वि./रा. त्रिभुवन, नगर मजिस्ट्रेट आशीष कुमार सिंह सहित सम्बन्धित अधिकारी मौजूद रहे।

बूथ सशक्तिकरण अभियान के तहत विस्तारकों को बांटे गए कार्य

लोक पहल

शाहजहांपुर। भाजपा जिला कार्यालय पर बूथ सशक्तिकरण अभियान के तहत 'नगर विधानसभा कार्यशाला' का आयोजन डॉ. श्याम प्रसाद मुखर्जी और पं. दीन दयाल उपाध्याय जी के चित्रों के सम्मुख दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में क्षेत्रीय महामंत्री भाजपा ब्रज क्षेत्र राकेश मिश्रा उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि राकेश मिश्रा ने कार्यशाला को सम्बोधित करते हुए बताया कि किस प्रकार सभी अल्पकालिक विस्तारकों को 15 मार्च से 25 मार्च तक आवंटित हुए शक्ति केंद्रों पर जाकर बूथ समिति का गठन करना , पन्ना प्रमुखों की नियुक्ति करवाना, शक्ति केंद्रों पर 2 व्हाट्सएप ग्रुप बनवाना, मन की बात कार्यक्रम का संयोजक तय करना और सरल एप को भरने का काम करना है। महानगर अध्यक्ष अरुण कुमार गुप्ता ने कार्यशाला को सम्बोधित कर कहा कि हमें किस प्रकार बूथ समिति का 1 अध्यक्ष और 1 सचिव सहित 9 अन्य सदस्यों का समावेश करना है जिससे हम सभी वर्गों का ध्यान रखते हुए ये काम आसानी से कर सके। कार्यशाला में बूथ सशक्तिकरण अभियान के महानगर संयोजक राजकमल बाजपेई महानगर महामंत्री नवनीत पाठक महानगर महामंत्री अरविंद राजपाल, सांसद अरुण सागर, सुरेंद्र नाथ बाल्मीकि, अवधेश दीक्षित, राजाराम वर्मा, श्रीदत्त शुक्ला, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष अजय यादव, श्यामबाबू दीक्षित, नीतू गुप्ता, वर्षा अवस्थी, गंगाश्री, रुचि गुप्ता, नलिनी ओमर, पुष्पा त्रिवेदी, संतोषी नरेश भोजवाल संजीव राठौर सुनील मालवीय प्रशांत सक्सेना अनिलसिंह अरुण सिंह दिलीप गुप्ता शेखर रस्तोगी अनूप गुप्ता अवधेश सक्सेना ओपी कश्यप नवीन गुप्ता संजय सारस्वत रूपेष वर्मा पदाधिकारीगण व कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

आवश्यकता है
लोक पहल
साप्ताहिक समाचार पत्र को
जनपद शाहजहाँपुर के समस्त क्षेत्रों, तहसीलों, ब्लाक
एवं ग्राम स्तर पर संवाददाता चाहिए।
पूर्ण बायोडाटा सहित आवेदन करें।
सम्पर्क करें : 9935740205, 9455152599 / Write to us : lokpahalspn@gmail.com

आंवले का जूस

आंवला में विटामिन-सी भरपूर मात्रा में पाया जाता है। यह शरीर से विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालता है। अगर आप जॉन्डिस से जूझ रहे हैं, तो आंवले का चूर्ण या जूस का सेवन कर सकते हैं। रोजाना सुबह आंवला जूस पीने से आप सेहत से जुड़ी कई समस्याओं को दूर सकती हैं।

टमाटर का जूस

टमाटर में विटामिन-सी, पोटैशियम, लाइकोपीन जैसे पोषक तत्व पाए जाते हैं। यह पीलीया के मरीजों के लिए काफी फायदेमंद है। इसके लिए टमाटर के रस में सेंधा नमक और काली मिर्च मिलाएं। रोजाना सुबह खाली पेट इस जूस का सेवन कर सकते हैं।

जॉन्डिस की समस्या में बेहद गुणकारी हैं ये जूस

जॉन्डिस यानी पीलिया रोग संक्रमण की वजह से होती है। दरअसल, यह बीमारी दूषित पानी और खाना खाने से हो सकती है। अगर समय पर इस बीमारी का इलाज न किया जाए, तो मरीज के लिए खतरनाक स्थिति पैदा हो सकती है। इस बीमारी में लिवर ठीक से काम करना बंद कर देता है और भूख भी कम हो जाती है, त्वचा का रंग भी पीला हो जाता है। अगर आप भी जॉन्डिस से ग्रसित हैं, तो डाइट में कुछ बदलाव कर इस बीमारी को कंट्रोल कर सकते हैं। आज आपको कुछ ऐसे जूस के बारे में बताने जा रहे हैं, जो पीलिया के मरीजों के लिए काफी फायदेमंद हैं।

जॉन्डिस के लक्षण

पाचनक्रिया में गड़बड़ी, पेट के दाई और मध्य भाग में हल्का दर्द, थकान, कमजोरी, भूख ना लगना और कई बार पेट पर मोटापा दिखने लगता है। कारणों का पता लगाकर विशेषज्ञ दिनचर्या में बदलाव करने के लिए कहते हैं। स्थिति गंभीर होने पर लिवर सिरोसिस भी हो सकता है। ट्रांसप्लांट ही इसका अंतिम इलाज होता है।

मूली का जूस

जॉन्डिस के मरीजों के लिए मूली का जूस बहुत ही गुणकारी माना जाता है। इसमें मौजूद सोडियम, फॉस्फोरस, विटामिन-ए जैसे पोषक तत्व शरीर को कई बीमारियों से बचाने में मदद करते हैं। इससे जूस तैयार करने के लिए मूली की हरी पत्तियों को पानी में उबाल लें और फिर इसे छान लें। जब यह गुनगुना हो जाए, तो सेवन कर सकते हैं।

गन्ने का जूस

गन्ने का जूस पीलिया के मरीजों के लिए किसी वरदान से कम नहीं है। यह लिवर को मजबूत करने में मददगार है। जिन लोगों को पीलिया की समस्या है, डाइट में गन्ने का जूस जरूर शामिल करें, जो तेजी से ठीक होने में मदद कर सकते हैं। ये आपकी प्यास बुझाने के साथ-साथ सेहत के लिए भी काफी फायदेमंद होता है। बता दें कि गन्ने के जूस को कैल्शियम, पोटैशियम, आरन, मैग्नीशियम और फॉस्फोरस का अच्छा सोर्स माना जाता है। गन्ने के जूस में मौजूद एंटी-ऑक्सीडेंट और फोटोप्रोटेटिव तत्व शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में मदद करते हैं। जिससे आप गर्मियों में होने वाली वायरल इंफैशन जैसी बीमारियों से दूर रह सकते हैं।

नींबू का रस

नींबू विटामिन-सी और एंटी ऑक्सीडेंट का रिच सोर्स है। यह लिवर को डिटॉस करने में मदद करता है। जिन लोगों को जॉन्डिस की समस्या है, नियमित रूप से गुनगुने पानी में नींबू का रस मिलाकर पी सकते हैं। चाहें तो इसमें सेंधा नमक या काली मिर्च भी डाल सकते हैं।

देखो हँस मत देना

डॉटर - तुम रोज सुबह लिनिक के बाहर खड़े होकर औरतों को यों घूरते हो...? पप्पू - जी आप ने ही तो लिखा है, औरतों को देखने का समय सुबह 9 बजे से 11 बजे तक!

पप्पू (पुलिस स्टेशन जा कर बोला) - मुझे फोन पर जान से मारने की धमकी मिल रही है... इंस्पेटर - कौन दे रहा है...? पप्पू - बिजली वाले। कहते हैं, बिल नहीं भरा तो काट देंगे...!!!

पुलिसवाला चौराहे पर चेकिंग कर रहा था... पुलिसवाला (पप्पू से) - इस बैग में या है? पप्पू - बताते हैं...! पुलिसवाले ने फिर से पूछा - अरे या है इसमें...? पप्पू - बताते हैं... बताते हैं...! पुलिसवाले ने तुरंत मौके पर बम निरोधक दस्ते को बुला लिया! उन्होंने जैसे ही बैग को खोला... हवलदार बोला- साहब इसमें तो बतासे हैं! पुलिसवाला (पप्पू से) - इसमें बतासे हैं तो इतनी देर से तू बोल यों नहीं रहा था...? पप्पू - ई देल से यही तो बता लहा था ती इतमें बताते हैं बताते हैं! ये सुनकर पुलिसवाला बेहोश...

एक व्यहिलीकॉप्टर उड़ाना सीख रहा था! पांच सौ फ्ुट की ऊंचाई पर उड़ते-उड़ते अचानक हेलीक ॉप्ट र नीचे आ गिर ा.... प्रशिक्षक ने पूछा - या हुआ...? जवाब मिला - कुछ नहीं, ऊपर जाकर मुझे ठंड लगने लगी, सो मैंने पंखे बंद कर दिए थे...!!

कहानी | गौरैया और बंदर

एक जंगल के किसी घने पेड़ पर एक गौरैया का जोड़ा रहता था। दोनों खुशी-खुशी अपना जीवन बीता रहे थे। फिर आया सर्दियों का मौसम, इस बार बहुत ही कड़ाके की ठंड पड़ने लगी। ठंड से बचने के लिए एक दिन कुछ बंदर उस पेड़ के नीचे ठिठुरते हुए पहुंचे। तेज ठंडी हवाओं से सभी बंदर कांप रहे थे। वो आपस में बात करने लगे कि काश कहीं से आग सेंकने को मिल जाती तो ठंड दूर हो जाती। उसी बीच एक बंदर की नजर पास पड़ी सूखी पत्तियों पर पड़ी। उसने दूसरे बंदरों से कहा, चलो इन सूखी पत्तियों को इकट्ठा करके जलाते हैं। और पत्तियों को जलाने का उपाय करने लगे। ये सब पेड़ पर बैठी गौरैया देख रही थी। वो बंदरों से बोल पड़ी, तुम लोग कौन हो?, देखने में तो तुम आदमियों की तरह लग रहे हो, हाथ-पैर भी हैं, तुम अपना घर बनाकर यों नहीं रहते? गौरेया की बात सुनकर ठंड से कांप रहे बंदर चिढ़ गए और बोले, तुम अपना काम करो, हमारे काम में पड़ने की जरूरत नहीं है। इतना कहने के बाद वो फिर आग जलाने के बारे में सोचने लगे और अलग-अलग तरीके अपनाने लगे। इतने में बंदरों की नजर एक जुगनू पर पड़ी। वो चिल्लाने लगा, देखो ऊपर हवा में चिंगारी है, इसे पकड़कर आग जलाते हैं। यह सुनते ही सारे बंदर उसे पकड़ने के लिए अलग-अलग तरीके अपनाने लगे। ये देख चिड़िया फिर बोल पड़ी, यह जुगनू है, इससे आग नहीं सुलगेगी। तुम लोग दो पत्थरों को घिसकर आग जला सकते हो। बंदरों ने चिड़िया की बात को अनसुना कर दिया। कई कोशिश के बाद उन्होंने जुगनू को पकड़ लिया और फिर उससे आग जलाने की कोशिश करने लगे, पर वो इस काम में कामयाब नहीं हो पाए और जुगनू उड़ गया। इतने में फिर से गौरेया बोल उठी, आप लोग मेरी बात मानिए, पत्थर रगड़कर आप आग जला सकते हैं। इतने में एक गुस्साए हुए बंदर से रहा न गया और उसने पेड़ पर चढ़कर गौरेया के घोसले को तोड़ दिया। यह देख चिड़िया दुखी हो गई और डर कर रोने लगी। इसके बाद वो उस पेड़ से उड़कर कहीं और चली गई।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा यह सप्ताह

मेष आज आपके खर्चों में वृद्धि होगी साथ ही आय में भी वृद्धि होगी। नौकरीपेशा लोगों के खास काम भी आज पूरे हो सकते हैं। आज थोड़ी बेचैनी और चिड़चिड़ाहट भी हो सकती है।

वृषभ आपके लिए आज का दिन सामान्य से कुछ बेहतर रहेगा। परिवार पर ध्यान देंगे। परिवार के लोगों का साथ और सानिध्य मिलेगा। काम में बरकत आएगी।

मिथुन आज आपको नए लोगों से थोड़ा संभलकर रहना चाहिए। किसी भी काम को करने से पहले बड़ों की सलाह लेना फायदेमंद रहेगा। बच्चे पढ़ाई के प्रति कुछ कम रूचि लेंगे।

कर्क आज आपको वह शौहरत और पहचान मिलेगी जिसकी आपको लंबे समय से तलाश थी। आपके सान और प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। आज आप कामकाज में व्यस्त रहेंगे।

सिंह आपके लिए आज का दिन बाद बढ़िया रहने वाला है। आपकी सोच समझ विकसित होगी और आप मजबूती से हर काम को अंजाम देंगे जिससे कामों में सफलता मिलेगी।

कन्या आज कारोबार में लाभ ही लाभ होगा। शैक्षणिक कार्यों में आपका मन लगेगा। समाज में आपका मान-सान बढ़ेगा। घरेलू काम को निपटाने में आप सफल रहेंगे।

तुला आज काम में दबाव पड़ सकता है इसलिए आपको सावधान रहना चाहिए। कुछ नई योजनाएं कार्यान्वित की जा सकती हैं। पारिवारिक जीवन सामंजस्यपूर्ण रहेगा।

वृश्चिक आपके लिए आज का दिन उतार-चढ़ाव से भरा रहेगा लेकिन नतीजे अधिकतर आपके पक्ष में आएंगे। काम के सिलसिले में अच्छे नतीजे मिलेंगे। भाग्य का सितारा बुलंद रहेगा।

धनु आज आर्थिक लाभ के अच्छे अवसर प्राप्त होंगे। आपका स्वास्थ्य बेहतर बना रहेगा। आपको यात्रा से लाभ होगा। परिवार में आपसी सामंजस्य बना रहेगा।

मकर बेफिजूल के विवादों से बचें और अपने लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित करें। अपने परिवार के लोगों के स्वास्थ्य के बारे में ध्यान रखना होगा, योंकि उनका स्वास्थ्य बिगड़ सकता है।

कुंभ आपके लिए आज का दिन कमजोर कहा जा सकता है योंकि आपके खर्चे भी बढ़ेंगे और तनाव भी बढ़ेगा। आप के ऑफिस में काम का बोझ आपके सर चढ़कर बोलेगा।

मीन आज आपका आत्मविश्वास बढ़ा रहेगा। करियर में सफलता मिलेगी। आज आपको अपने काम को टालने से बचना चाहिए। समय से काम पूरा कर लेना बेहतर रहेगा।

किंग खान की सुरक्षा में सेंध

बॉलीवुड | मसाला

बॉलीवुड के बादशाह कहे जाने वाले शाह रुख खान की सुरक्षा में बड़ी चूक की घटना सामने आई है। गुरुवार को उनके मुंबई स्थित मन्नत अपार्टमेंट में दो अजनबी घुस आए। यह दोनों गुजरात के रहने वाले हैं। इन दो अंजान श को सुरक्षा गार्डों ने पकड़कर बांद्रा पुलिस के हवाले कर दिया। पूछताछ किए जाने पर उन लोगों ने यह बताया कि वह गुजरात के रहने वाले हैं। आईपीसी के तहत मामला दर्ज न्यूज एजेंसी एएनआई के मुताबिक, मन्नत में घुसे उन दो लोगों की उम्र 20 और 22 वर्ष है। उन्होंने खुद को शाह रुख खान का बहुत बड़ा फैन बताया। बहरहाल, उनके खिलाफ भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) के तहत अनधिकार प्रवेश और अन्य प्रासंगिक अपराधों का मामला दर्ज किया गया है। वहीं, एहतियात के तौर पर शाह रुख खान के घर की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। बता दें कि पिछले ही साल शाह रुख और गौरी ने मन्नत के लिए नई नेमप्लेट ली थी, जो कि डार्क कलर वॉल पर चमकीली लाइट्स से सजी हुई है। मन्नत के बाहर असर ही किंग खान के फैंस का जमावड़ा देखने को मिलता है। खुद शाह रुख अपने जन्मदिन पर फैंस को ग्रीट करने और उन्हें अपनी एक झलक दिखाने बालकनी में आते हैं। इस दौरान शाह रुख भरी भीड़ के साथ बालकनी से ही सेल्फी भी लिक करते हैं। पठान फिल्म की रिलीज से पहले भी शाह रुख खान ने मन्नत की बालकनी से फैंस से मुलाकात की थी। 2 नवंबर को उनके जन्मदिन वाले दिन मन्नत के बाहर भारी सां में भीड़ जमा हुई थी, जिसके वीडियो शाह रुख ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर शेयर किए थे। बात अगर किंग खान के वर्कफ्रंट की करें, तो वह इन दिनों पठान की ससेस का स्वाद चख रहे हैं। यह शाह रुख की कमबैक फिल्म है, जिसके जरिये उन्होंने चार साल बाद बड़े पर्दे पर वापसी की है।

'बड़े मियां छोटे मियां' में सोनाक्षी सिन्हा की हुई धमाकेदार एंट्री

सोनाक्षी सिन्हा के फैंस के लिए अच्छी खबर हैं। दरअसल सोनाक्षी सिन्हा की बड़े मियां छोटे मियां फिल्म में एंट्री हुई है। सोनाक्षी सिन्हा अक्षय कुमार और टाइगर श्रॉफ के साथ फिल्म बड़े मियां छोटे मियां में नजर आएंगी। जल्द ही फिल्म की शूटिंग शुरू होगी।

हाल ही में बर्लिन से लौटी बॉलीवुड अभिनेत्री सोनाक्षी सिन्हा आगामी एशन एंटरटेनर फिल्म बड़े मियां छोटे मियां की कास्ट में शामिल होने के लिए तैयार हैं। फिल्म की यूनिट ने हाल ही में फिल्म के शेड्यूल के मुंबई चरण को समाप्त किया और वर्तमान में स्कॉटलैंड में फिल्म की शूटिंग कर रहे हैं, जिसकी तस्वीरें फिल्म के निर्माता जैकी भगनानी ने गुरुवार को साझा की। स्कॉटलैंड शेड्यूल के बाद अबू धाबी शेड्यूल होगा, जो मार्च के अंत तक होगा। बड़े मियां छोटे मियां में अपने जुड़ाव के बारे में सोनाक्षी ने कहा, मैं बड़े मियां छोटे मियां के लिए इस अद्भुत कलाकारों की टुकड़ी का हिस्सा बनने के लिए उत्साहित हूं। अक्षय के साथ काम करना हमेशा खुशी की बात रही है और मैं टाइगर के साथ पहली बार काम करने के लिए उत्सुक हूं।

बड़े मियां छोटे मियां में भारत के दो सबसे बड़े एशन सितारे-अक्षय कुमार और टाइगर श्रॉफ प्रमुख भूमिकाओं में हैं। फिल्म के निर्देशक की सराहना करते हुए उन्होंने कहा, अली आस जफर एक शानदार निर्देशक हैं और मुझे इसमें कोई संदेह नहीं है कि यह फिल्म एक ब्लॉकबस्टर होगी। मैं दर्शकों को यह देखने के लिए इंतजार नहीं कर सकता कि हमारे पास उनके लिए या है। इस बीच, सोनाक्षी के पास संजय लीला भंसाली की वेबसीरीज हीरामंडी और एसेल एंटरटेनमेंट और टाइगर बेबी फिल दहाद भी हैं, इन प्रोजेट से अभिनेत्री ने डिजिटल शुरूआत भी की है।

बॉलीवुड | मन की बात

फिल्म इंडस्ट्री में भाई-तीजावाद व्यर्थ की बहसः मनोज वाजपेयी

मनोज बाजपेयी असर कई चीजों की वजह से सुर्खियों में रहते हैं। इन दिनों वो अपनी फिल्म गुलमोहर की वजह से काफी चर्चे में हैं। हाल ही में मनोज बाजपेयी ने भाई-भतीजावाद यानी नेपोटिज्म को भारतीय फिल्म इंडस्ट्री में एक व्यर्थ बहस कहा है, यह कहते हुए कि इसका संबंध कनेशन और रिश्ते जो बनाता है उससे है। एक नए इंटरव्यू में मनोज ने यह भी कहा कि असली समस्या फिल्म देखने वालों में है जो असर भेदभाव करते हैं। मनोज ने यह भी कहा कि केवल एक इंडस्ट्री से निष्पक्षता की मांग करना सही नहीं है। मनोज ने आगे कहा कि विरोधाभास होता है और अगर कोई निष्पक्षता मांग रहा है तो जीवन के हर चरण में निष्पक्षता मांगें। मनोज ने कहा, नेपोटिज्म की ये भूत बेकार की है... ज्यादातर समय, यह उन कनेशनों और रिश्तों के साथ करना होता है जो एक अगर आप किसी के साथ सहज महसूस करते हैं, तो आप उनके साथ और अधिक काम करना चाहते हैं। अगर वो मेरी जगह किसी ताऊजी के लड़कों को लेने जा रहे हैं फिल्म में तो लें..उनका पैसा है, जो करना चाहता है करे। मेरे बजाय उनके रिश्तेदार को फिल्म में कास्ट करें, फिर रहने दें। उन्होंने आगे कहा, मेन समस्या फिल्म प्रदर्शनियों में है। प्रदर्शक असर भेदभाव करते हैं। जब हमें 100 स्क्रीन दे रहे तो कम से कम मुझे 25 तो..उसी को देंगे तो मेरा या? जो जितना पावरफुल होता है वो अपना पावर का व्हील उतना घुमाता रहता है। मनोज को हाल ही में डिज्नी + हॉटस्टार पर रिलीज़ हुई पारिवारिक ड्रामा गुलमोहर में देखा गया था। राहुल वी चिला की निर्देशित गुलमोहर में शर्मिला टैगोर, अमोल पालेकर, सूरज शर्मा, सिमरन और कावेरी सेठ भी हैं। यह चॉकबोर्ड एंटरटेनमेंट और ऑटोनॉमस वर्क्स के सहयोग से स्टार स्टूडियोज ने बनाया है।

इस देश में 33.5 इंच से ज्यादा हुई कमर तो कंपनी कर देगी बाहर!

एक ऐसा देश हैं जहां की सरकार ने लोगों के मोटा होने पर बैन लगा दिया है। आप बिल्कुल सही पढ़ रहे हैं। यहां के नागरिकों की कमर की नियमित साइज ली जाती है। निर्धारित मानक से अधिक साइज होने पर सरकारी एजेंसियों और कंपनियों पर जुर्माना लगाया जाता है। इसके साथ ही मोटे कर्मचारी की काउंसलिंग की जाती है और उन्हें फिट होने के लिए रिहैब सेंटर तक में डाल दिया जाता है। आखिर यह कौन सा देश हैं जो फिटनेस को लेकर इतना सचेत है। दरअसल, इस देश में कानूनी तौर पर एक पुरुष की कमर की साइट 33. 5 इंच और एक महिला की कमर की साइज 35. 4 इंच तय कर दी गई है। इस कमर साइज से अधिक वाले लोगों पर तरह-तरह से दबाव डाला जाता है कि वे मोटापा कम करें। एक और रोचक बात आपको बताता हूं कि यहां के लोग मन-मलाई, घी-बटर खाना पसंद नहीं करते। वे मिठाइयां भी नहीं के बराबर खाते हैं। इसके बावजूद वे दुनिया के सबसे स्वस्थ लोगों में गिने जाते हैं। हम बात कर रहे हैं दुनिया के एक सबसे विकसित और अमीर देश जापान की। जापान आज दुनिया का एक सबसे फिट देश है। उसने करीब डेढ़ दशक पहले 2008 में अपने नागरिकों को फिट बनाने के लिए एक अभियान चलाया था। यह दुनिया में संभवत: अपने आप में एक यूनिक अभियान है। इस अभियान को कानूनी जामा भी पहनाया गया। इस कानून के तहत कंपनियों और स्थानीय सरकारों को नियमित रूप से 40 से 74 साल के अपने नागरिकों की कमर की माप लेनी होती है। इस माप के आधार पर मानक से अधिक किसी नागरिक को मोटा पाया जाता है तो उन्हें डाइट प्लान दिया जाता है। फिर तीन माह बाद उनकी कमर मापी जाती है। अगर इन तीन महीने में भी उनका वजन नहीं घटता है तो उस नागरिक को फिर छह माह के लिए कोर्स दिया जाएगा। 2008 में बने इस कानून में नागरिकों को फिट बनाने में विफल रहने पर कंपनियों और स्थानीय सरकारों पर जुर्माना लगाने का भी प्रावधान किया गया है। इस अभियान को चलाने वाले जापान के स्वास्थ्य मंत्रालय का कहना है कि इससे देश में डायबिटीज और स्ट्रोक जैसी बीमारियों पर काबू पाया जा सकेगा।

अजब-गजब | मां दुर्गा के इस मंदिर को माना जाता है शापित

इस मंदिर में जाने से घबराते हैं भक्त

हमारे देश में लाखों मंदिर मौजूद है। इनमें से कुछ मंदिर तो बेहद अद्भुत और रहस्यमयी है। लेकिन इनमें से कुछ मंदिरों को डरावना भी माना जाता है। इसलिए इन मंदिरों में जाने के नाम से भी लोगों के रोंगटे खड़े हो जाते हैं। आज हम आपको एक ऐसे ही मंदिर के बारे में बताने जा रहे हैं जो मां दुर्गा का मंदिर है। इस मंदिर के बारे में कहा जाता है कि इसमें जाने की किसी की भी हित नहीं होती। योंकि इस मंदिर में कोई जाता है मौत उसके पीछे पड़ जाती है। बता दें कि नवरात्र के दिनों में मां दुर्गा के ही नौ रूपों की पूजा की जाती है।

इस मौके पर बहुत से लोग मां दुर्गा के दर्शन के लिए मंदिरों में जाते हैं। लेकिन जिस मंदिर के बारे में हम आपको बताने जा रहे हैं उसने नवरात्रि के दिनों में भी जाने की किसी की हित नहीं होती। योंकि मां दुर्गा के इस मंदिर को शापित माना जाता है। इस मंदिर के बारे में ऐसा मानना है कि इस मंदिर में जो भी जाता है, उसके लिए खतरे से कम नहीं होता। कहते हैं इस मंदिर के अंदर जो भी रूकने गया वो कभी लौट कर नहीं आया। ये मंदिर मध्य प्रदेश के देवास जिले का है, दुर्गा मां के इस मंदिर में हर कोई जाने से दूर भागता है। इस मंदिर के बारे में स्थानीय लोगों की मान्यता है कि मां दुर्गा के इस मंदिर में बलि चढ़ाना जरूरी है। वहीं, कुछ लोग ऐसा मानते हैं कि इस मंदिर में किसी औरत की आत्मा भटकती है। इस मंदिर के बारे में बताया जाता है कि इस मंदिर का निर्माण देवास के किसी महाराजा ने करवाया था। इस मंदिर के बनवाने के बाद से राजघराने में कुछ ना कुछ अशुभ हो जाता था। मंदिर बनवाने के कुछ दिन बात पता चला कि राजा की राजकुमारी और सेनापति के बीच प्रेम प्रसंग चल रहा है। वहीं, राजा ये नहीं चाहता था कि उसकी बेटी के साथ किसी सेनापति की शादी हो। इसलिए राजा ने राजकुमारी को बंधक बना लिया. बंधक बनाने के बाद राजकुमारी की संदिग्ध हालत में मौत हो गई। सेनापति को जब इस बात की खबर हुई, तो उसने भी आत्महत्या कर ली। राजमहल में इस घटना के बाद राजपुरोहित ने राजा को बताया कि ये मंदिर अपवित्र हो चुका है। अब इस मंदिर में पूजा करने का अब कोई लाभ नहीं है। पुरोहित ने राजा को ये भी सलाह दी की इस मंदिर से मूर्ति को हटाकर उसे कहीं और विराजित करना चाहिए। पुरोहित की सलाह पर राजा ने तुरंत मां दुर्गा की मूर्ति को हटाकर उज्जैन के गणेश मंदिर में मूर्ति को स्थापित किया। मंदिर को हटाने के बाद भी राजघराने में अजीबों-गरीब घटनाएं होती रहती थी, तब पुरोहित ने ये मान लिया कि मंदिर शापित हो चुका है और मंदिर में जाने से रोक लगा दी गई।

लोक पहल, राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक, मुमुक्षु आश्रम, शाहजहॉपुर, प्रधान संपादक अरूण पाराशरी

लोक पहल हिन्दी साप्ताहिक स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक डा. अवनीश कुमार मिश्रा द्वारा शाहजहॉपुर प्रिन्टर्स जज साहब वाली गली, तारीन बहादुरगंज जिला शाहजहॉपुर 242001 से मुद्रित व 160 रोशनगंज लक्ष्मी राईस मिल, शाहजहॉपुर 242001 उ0प्र से प्रकाशित। संपादक–सुयश सिन्हा मो. 9935740205 E-mail : lokpahalspn@gmail.com समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र शाहजहॉपुर होगा।